an>

Title: Need to conserve the archeological remains of Ahar-Banas culture near Udaipur, Rajasthan and develop the area as a tourist place.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) ः मोहनजोदड़ों का निर्माण ईसा पूर्व 26वीं शताब्दी में हुआ था और यह सिन्धु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा शहर था। इसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।

राजस्थान में कई पूर्व हड़प्पा कालीन स्थल हैं। उदयपुर के पास पाई गई आहड़ सभ्यता के इतिहास का प्रारम्भ सिन्धु घाटी सभ्यता से जुड़ा हुआ है। आहड़ बनास संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थल है। यह सभ्यता हड़प्पा संस्कृति के समकालीन है। भारत में बोली जाने वाली भाषाओं की बड़ी संख्या के प्रमाण पाये गये हैं और भारत की पहली मूर्तिकला के नमूने सिन्धु घाटी सभ्यता के जमाने के हैं। दिल्ली शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम उदयपुर में प्राप्त शिलालेखों पर पाया गया है।

आहड़ सभ्यता के 110 स्थल बनास नदी के किनारे बसे हैं, जिनमें पछमता व गिलुण्ड गांव भी शामिल हैं। यहाँ ताम्र पाषाणकला कालीन संस्कृति है। पछमता व गिलुण्ड में पाई गई मिट्टी की बनी ईंटों से उस काल की वैज्ञानिक तकनीक का पता चलता है और जमीन में खोद कर बनाई गई अनाज की कोठियों से पता चलता है कि यह आहड़ संस्कृति की एक बस्ती है।

अतः मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि इस पौराणिक सभ्यता पछमता एवं गिलुण्ड में मिले पुरातात्विक अवशेषों को संरक्षित कर एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये।